ताज महोत्सव–2014
प्रेस नोट

ताज महोत्सव के आयोजन का सुनहरा इतिहास रहा है। सन् 1992 से प्रारम्भ हुए इस महोत्सव की प्रतीक्षा स्थानीय जन मानस के साथ–2 भारतीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय पर्यटको को वर्ष भर रहती है। इस महोत्सव का नाम भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के कलैण्डर आफ इवेन्ट्स में काफी समय पूर्व दर्ज हो चुका है। महोत्सव की श्रंखला में इस वर्ष 23वॉ ताज महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसकी थीम ''पैगाम–ए–मोहब्बत'' रखी गयी है। ताज महोत्सव की थीम प्रमुख समाचार पत्रों के माध्यम् से आगरा की जनता से ही आमन्त्रित की गई थी और चयनित प्रविष्टिं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा।

आगरा के विश्वदाय स्मारकों एवं बृज भूमि के महत्व को देखते हुए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा इस क्षेत्र का पर्यटन विकास किया जा रहा है एवं यह भी प्रयास है कि इस अद्भुत विरासत वाले परिक्षेंत्र में स्थित विभिन्न आकर्षणों के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके।

महोत्सव का उद्देश्य भारत की संस्कृति, शिल्प, कला एवं व्यंजन के मिश्रित माध्यम से पर्यटन को बढावा देना तो है ही साथ ही विभिन्न प्रदेशों के मध्य सौहार्द एवं सामंजस्य स्थापित करना भी है।

शिल्पग्राम में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में लगभग 350 शिल्पी अपनी शिल्पकला का प्रर्दशन करेगें इनमें से वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के हथकरघा विभाग के कुल 100 शिल्पी आमंत्रित किये गये हैं जिसमें, जम्मू कश्मीर से 5, महाराष्ट्र से 4, गुजरात से 4, मध्य प्रदेश से 6, दिल्ली से 5, पंजाब से 5, उत्तर प्रदेश से 21 राजस्थान से 5, जम्मू कश्मीर से 5, बिहार से 10 तथा आन्ध्र प्रदेश से 9, हरियाणा से 4, उत्तराखण्ड से 4, तमिलनाडु से 6, झारखण्ड से 5, प0 बगाल से 5, आन्ध्र प्रदेश से 9, उडीसा से 5 शिल्पी आमंत्रित किये गये है। इसके अतिरिक्त वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार हस्तशिल्प विभाग से लगभग 100, जूट काउंसिल से 12, जिला उद्योग केन्द्र से 20 तथा आयोजन समिति की ओर से इन्फ्रास्ट्रैक्चर व्यय पर लगभग 75 शिल्पियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

महोत्सव मे स्टालों की विविधिता पर्यटको एवं जनमानस को बरबस ही आकर्षित करेगी।

क्रमशः 2

तामिलनाडु का वुड क्राफ्ट, कश्मीर का सूट एवं पशमीना शाल, गुडगॉव एवं गोरखपुर का टेराकोटा, पश्चिम बंगाल की कान्था साड़ी, वाराणसी का सिल्क साड़ी ,बिहार का सिल्क वस्त्र, सहारनपुर का फर्नीचर, भदोही का कारपेट, लखनऊ का चिकन वस्त्र ,आन्ध प्रदेश का क्रोशिया, मथुरा के बाल पोशाक, प्रतापगढ़ ऑवला उत्पाद,आसाम का केन फर्नीचर ,गुजरात का शाल ,पिलखुआ का चादर एवं आगरे का मार्बल क्राफ्ट पर्यटको को आकर्षित करेगें।

खान–पान के शौकीन लोगों को अपने मनपंसद शाकाहारी एवं मॉसाहारी दोनों प्रकार के व्यंजनों का जायका लेने का अवसर महोत्सव में मिलेगा।

महोत्सव में पर्यटकों एवं जन मानस को आकर्षित करने के लिए दिन के समय नूरजहॉ प्रेक्षागृह में स्कूली बच्चों, स्थानीय एवं ऑचलिक कलाकारो को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा । इस वर्ष ऑचलिक एवं स्थानीय स्तर की लगभग 280 प्रस्तुतियॉ नूरजहॉ प्रेक्षागृह एवं मुक्ताकाशीय मन्च पर होगी जिसमें लगभग 1500 कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगें । इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर 22 उद्घोषको का चयन किया गया है। महोत्सव को जन सामान्य तक पहुॅचाने के उद्देश्य से इस वर्ष सूरसदन प्रेक्षागृह एवं सदर बाजार स्थित खुले मंच पर भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियॉ आयोजित की जायेगीं।

साहित्य एवं नाटक प्रेमियों के मनोरंजन का ध्यान महोत्सव में रखा गया है। सूर सदन में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन तथा मुशायरे का आयोजन होगा इसके अतिरिक्त सुप्रसिद्व नाट्य संस्थाओं द्वारा नाटक ताज की छाया में, श्याम रंग, चैनपुर की दास्तां एवं हनीमून आदि पारम्परिक विधाओं का मंचन किया जायेगा।

महोत्सव अवधि में प्रत्येक दिन पर्यटकों का मनोरंजन करने के लिये जादू का शो मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित किया जायेगा।

नूरजहॉ आर्ट गैलरी में महोत्सव की थीम पर आधारित एक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

महोत्सव में आने वाले लोगों के मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रकार के झूलों एवं फन–फेयर आदि की भी व्यवस्था शिल्पग्राम में उपलब्ध रहेगी।

क्रमश :————3

इस वर्ष ताज महोत्सव का प्रवेश शुल्क रुपये 50.00 (रुपये पचास मात्र) रखा गया है एवं प्रवेश टिकट के साथ लकी ड्रा का कूपन लगाया गया है। प्रथम पुरूस्कार रू0 50000/–, द्वितीय पुरूस्कार रू0 30000/– एवं तृतीय पुरूस्कार रू0 20000/– का नकद पुरूस्कार दिया जायेगा। विगत वर्षों की भॉति इस वर्ष भी 05 वर्ष आयु तक के बच्चों का प्रवेश निःशुल्क होगा तथा प्रति 50 स्कूली बच्चों के ग्रुप पर न्यूनतम 500/–का एकमुश्त प्रवेश शुल्क लिया जायेगा। स्कूली बच्चों का स्कूल की यूनीफार्म में रहना अनिवार्य है । इस ग्रुप के साथ 2 शिक्षकों का निःशुल्क प्रवेश अनुमन्य होगा।

इसके अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को इस महोत्सव की ओर आकर्षित करने हेतु उनका निःशुल्क प्रवेश रखा गया है । देशी– विदेशी पर्यटकों के मध्य ताज महोत्सव के प्रचार प्रसार हेतु आगरा के समस्त प्रमुख होटलों में पोस्टर एवं ब्रोशर के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

महोत्सव में सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त संख्या में डी0एफ0एम0डी0 लगाये गये हैं तथा पुलिस बल एवं निजी सुरक्षा गार्डो की व्यवस्था की गयी है। इसके अतिरिक्त महोत्सव परिसर में निर्दिष्ट स्थलों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे भी लगाये गये हैं।

ताज महोत्सव के प्रचार प्रसार हेतु एक वेबसाइट www.tajmahotsav.org संचालित है, जिसमें ताज महोत्सव से सम्बन्धित सूचना एवं दिन–प्रतिदिन के कार्यक्रम अपलोड कर दिये गये है जिससे लोगों को महोत्सव सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करने में असुविधा न हो ।

महोत्सव के आयोजन में स्पॉन्सरशिप के रुप में क्रमशः यू0आई0डी0ए0आई (आधार), एफ मैक, पावर ग्रिड कारपोरेशन, शारदा ग्रुप, उ0प्र0 राज्य एड्स नियन्त्रण सोसायटी, डी0एस0 ग्रुप, गेल गैस लि0 ,स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन ओवरसीज बैंक, केनरा बैंक, ओरयिन्टल बैंक ऑफ कामर्स, बैंक ऑफ बडौदा, यूनियन बैंक, आकाश इन्स्टीट्यूट, अशोक ऑटो तथा मीडिया पार्टनरशिप के रुप में 92.7 बिग एफ0एम0, जी न्यूज (उ0प्र0/उत्तराखण्ड), डेन न्यूज, डिजी महाराजा केबिल, ई पार्टनर–हिन्दी गौरव आदि द्वारा सहयोग प्रदान किया गया है।

————————————